सुविधा चार साल की बच्ची का हुआ ऑपरेशन, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में ऑपरेशन पर खर्च होता है 2 लाख, यहां फ्री में किया

जबलपुर मेडिकल में 3-डी दूरबीन से प्रदेश का पहला ऑपरेशन

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल अस्पताल के शिशु शल्य चिकित्सा विभाग में चार साल की बच्ची का थ्री-डी दूरबीन से ऑपरेशन हुआ। इस तरह का ऑपरेशन प्रदेश किसी भी अस्पताल में अभी तक नहीं हुआ है। प्राइवेट अस्पताल में इस तरह के आपरेशन पर दो लाख रुपए लगते हैं, वहीं मेडिकल यह ऑपरेशन फ्री में हुआ है। ऐसा दावा मेडिकल अस्पताल के शिशु शल्य चिकित्सा विभाग ने किया है।

बच्ची को ये समस्या थी: चार साल की तान्या (बदला हुआ नाम) का जन्म से ही मलद्वार और बच्चेदानी का रास्ता एक ही था। तान्या के अभिभावक ने जब इसकी जांच कराई तो मेडिकल अस्पताल के शिशु शल्य चिकित्सा विभाग में विशेषज्ञों ने इसका निदान ऑपरेशन ही बताया।

मेडिकल अस्पताल में बच्ची का ऑपरेशन करते डॉक्टर।

बिना शरीर में चीरा लगाए हुआ ऑपरेशन

तान्या का शनिवार को थ्री-डी दूरबीन से आपरेशन किया गया। शरीर में छेद किए बिना ही यह ऑपरेशन हुआ। थ्री-डी दूरबीन से आपरेट करके मलद्वार और बच्चेदानी को अलग-अलग किया गया। यह ऑपरेशन सामान्य दूरबीन से करने पर तीन स्टेज में करने होते थे लेकिन थ्री-डी दूरबीन से एक ही बार में ऑपरेशन करके बच्ची के मलद्वार और बच्चेदानी को अलग-अलग किया गया। शिशु शल्य चिकित्सा विभाग में प्रोफेसर व शिशु शल्य चिकित्सक डॉ. विकेश अग्रवाल, डॉ. हिमांशु आचार्य, डॉ. अभिषेक तिवारी की टीम ने यह आपरेशन किया।

केवल इन राज्यों में है सुविधा : शिशु शल्य में थ्री-डी से सर्जरी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद के निजी अस्पतालों में होते हैं। इसका खर्च करीब 2 लाख रुपए है। जबकि मप्र में अभी किसी भी सरकारी और निजी अस्पताल में यह मशीन नहीं है।

अभी खरीदी नहीं है मशीन : अभी थ्री-डी दूरबीन खरीदी नहीं गई है। अस्पताल में ऑपरेशन करने के लिए थ्री-डी दूरबीन बनाने वाली कंपनी ने उपकरण दिया है। इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए है। इसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

रक्तस्राव भी नहीं हुआ

मेडिकल के शिशु शल्य विभाग में प्रदेश का पहला थ्री-डी लेप्रोस्कोपी ऑपरेशन हुआ। इस तरह के ऑपरेशन के बल देश के चुनिंदा राज्यों के निजी अस्पतालों में होते हैं। प्रदेश के किसी भी सरकारी और निजी अस्पताल में अभी तक थ्री-डी लेप्रोस्कोपी आपरेशन नहीं हुआ। आपरेशन के दौरान बच्ची का रक्तस्राव भी नहीं हुआ। भविष्य में मेडिकल अस्पताल में इसी तरह के आधुनिक ऑपरेशन किए जाएंगे, जिसमें रोबोटिक सर्जरी भी शामिल है।

-डॉ. विकेश अग्रवाल, शिशु शल्य चिकित्सक, मेडिकल अस्पताल जबलपुर

Scanned by CamScanner